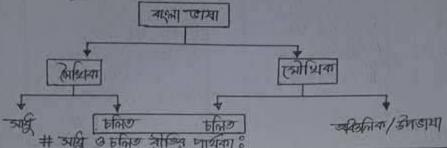
		7		
1	1113	12	(B	п
10	نشه	200	10	ш
	311			

	5		
P.S.	<b>चिम्</b>	NAO.	
69	जामा ७ व्यत्यस प्रकास एप	6-3	
02	गारक्तित ज्यालाम् विष्य अमिन्त्र	ek-06	
06	প্রামির পরিকর্তন	20-29	
08	ন-স্বত্ত স-স্থা বিধান	59-50	
00	ন্মুদ্ধিকর্ন	28-29	
04	ARK	29-66	
09	পুরুষও শ্রীবাচক ভাব্দ	00-66	
06	पुक्छ अप	69-6F	
00	সংখ্যাবাচক ভাক	69-85	1. 1
90	<b>ব</b> চন	86-88	River
29	मपान्त्रिक निर्फ्नावा	86	
2	र्याप्र	8r-cc	
26	<b>उ</b> गग्रर्डा	09-0t	
98	धारू	an-100	1. OF
20	প্রস্থাতি ও মন্ত্রম	42-17	
20	पप- प्रकास । अ विसापप	47-92	
39	नगल, प्रसुप तयर कालव बिकास प्रासाज	90-98	
36	नावक ७ विडाक	90-95	6
23	ज्याका , जानुमार्श , मार्शित्र, याचा, वालाह	69-67	Month.
20	वारा। प्रकारल	66-68	11111
20	प्राविद्यामिया कान्य	6a-66	
22	সমার্থক ভাব্দ	PW-40	
26	বিদ্যবীতার্থান শব্দ	29-26	21/1
28	योका अश्वाहन	26-20	9VII
20	বাহাধান	29-202	
216	VIP কবি-মাহিত্যিকদের তারা-স্থ্রমূল মূর	205	-1
	901	1 3	Total St.

णिया : न्यातन पाय प्रमालान जन्य वाडायात्मन न्यायात्म विलाम विकास उप्तातन उप्तातन व्यय-(वाधिक किति वा किति अअधिक छामा वला।



अर्ध श्री	চনিত রীতি
अधि सीर्व् सुनिर्धादिक न्यानःस्(१३ निम्स च्युत्रस्तर्भ कार्यः हास्त्र स्थः १४६ वर्षः विमास सुनिम्नास्त्रः ७ सुनिर्धिष्ठः ।	🕥 ৮ন্মিত রীতি দারিবর্তনশ্রীন ।
ি হারি খ্রাভ প্রথমিত জি দ্বাহি	② চনিত রীতি ভাদ্ধুব শব্দবস্থুন।
সার্ব রাজি নার্ট্রের সংনাপ ওবকুতার     অনুপ্রমাসী ।	্রিচানত হাতি মণ্ডাঞ্চন্ত ও সংস্কৃতিবাধ্য এবং বক্তৃতা, আনাগ- আনোচনা ও নাট্যসংঝাদের জন্য বৈশি উল্লেখ্য
সাল্ল রীজিভ সর্বনাস ও বিদ্যাদদ নব      বিদ্যাস গটন দর্মাভ মেনে চলে।	চিনিত রীভিতে সর্বনার ও ব্রিয়াগা। ক্লা      বিভাষ সামন গার্মিভি মেন চলে না ।

अञ्जूष्यूर्म निष्ठु ज्यामनिगः

म् प्रमान्त्र अपनित्रकार्डाप छामाद पाथिका ७ प्रिक्टिन चार्छ ।

→ वर्णमाल प्रथितील माए जिन द्राजाति विमा प्रक्रिक ज्याए।

তামাভাষী ভানমণ্ডগ্রার দিক দিয়ে বাংলা সৃথিয়ীর চলুর্থ বৃহৎ মাস্তভাষা।

বাংনাদেশ দুভ়োও পশ্চিমবন্ডোর জনসাধারণ এবং মিপুরা, বিহার, উভিন্সা ও আসামর कामिकारि व्यक्तिक मानुसिद्ध जामा वाश्वा।

কর্তসালে প্রথিবীতি প্রায় কিল বেশটি সোকের স্থাধার দোষা বাংলা।

णार्वजिक लामान च्यापृत नाम जेनालामा।

मृथियोत प्रव लामा ग्रर्श लिएहामा ज्यारः ।
 वाश्या लामात त्रीलि २१६ । (छोपियक वा वाश्याः ज्यापति ह्यियक वा (वश्या)
 छोपियक वालिव २१६ वालि। (छाम्छ शीलिः ज्याकी ज्याकितिक वाष्यां प्रीतिक)
 तिथिक वालिया कामा २१६ वालि । ( छाप्तः । छान् वालि)
 महाविक वालिया कामा २१६ वालि । ( छाप्तः । छान् वालि)

ज्यार्थ	টনিত	지도	'চনিত	मार्थ	চনিত	对貨	চনিত
<u>হ্যস্ক</u> কা	ग्राथा	त्रमु	वुला	जिल्लामा / दियामा	ज्या / असा	ংক্রিয়া	বংল
<u>कुश</u>	1979	(प्रधिस्म	रिल्डा	ভারার/গ্রেহার	জন /ভান	সহিত	माका /माध्य
<b>2</b> M1	प्राला	अप्रमार्ग	अूका(स)	পার্তন	পদন /পদ্ধন।	क्रिल्यत !	ক্সনেন /



8 🖷 शब् : अर्थावाधिका धानि या प्रानिममर्पिका अन्य यहन । → विङित् पृथित्यान (त्थाता याध्या उपात्र अब अस्तित्रात्य जिनकाला जल यादा यादा । कायन अपन जानुत्रात्त अर्थ ज्यूजास ও পুকার 人知明 ए प्रकात (i) स्मिन्निक भावत् (i) स्त्रीनिक अप् (1) जिसम्बद्धाः (२०%) (ii) हरः / ह्याः अय (ii) अभिगुत्रम अस् (८ %) (ii) ज्याविक (iii) एमून अप् श्राप्तिकाला (८०%) (III) त्याडा हुए काया (iv) THEN 21 (2%) (V) यिएमिंग अय ( 6%) **ा** गणनमूनमा स्वानीविडाञाः (क) स्त्रीतिक श्राब : हम अब अप विश्वासन कहा गाम ना वा (ड(६ व्यानामा कहा ग्राम ना) (प्राञ्चलाक सी जिक कान्य वल । উদাহরণ ঃ গোনাল, স্না, দিতা, মাতা, নান, তিন, ফুন, হাত, বহু, কর (था) आर्थिक अप : स्य प्रय अस्तक उहादल ज्यालामा जर्थात्विक अस पाछ्या मास , जास उपारत के अध्यास स्माहन : (प्रकार) क्लाह, प्रकृत देशापि। → क्लाह क्लाह । क्लाह क् 👉 উদর্ম্ন আরে: উদকার, উদহার, দরান্তম 🗢 আদি। → সূত্যুত্বা সামি, দুকুরি, বিভব্নি মোভাও মাধিত শাব্দ ভিন্নি হতে পারে। क्याम्बन स्थानी विहाश : (क) योजिक कान्द : ह्य काल्पत ब्राडमछित्रण ज्यर्थ त्रवर् वावणातिक ज्यर्थ त्रकरे था(क) ভাকে শ্রীগিক কাব্য বনে। उपारको → गांशनासि = गांशन+ व्यक्ति → गांशलह एवं। ⇒ जासक = रैंडा+के (ज्यक) → जान करत (स । → अधिति = अधि + सित → स्म्याधि या नाता कला। → कर्वतु = क्र + ख्या → या वन्ना छिल्छ । → वापतामि = वापन + प्यानितः → वषुग्राता = वावु + प्याता → वावु व जव । → मधुक = मधु+क →मधुक मण विके श्रीसुछ । → ≈।सन = स्था + ज्यान → तमन = (त+ च्यन → िमिश्र = पुरिंश + क्यु → कन्नास पुरा, नािं। → नाम्यक = Ca+ एक ► हिलामाना = हिला+ माना → (ए छुमालान निष्यत । मिन्द्रीत = भिन्न + दीत → याद्व मिन्न तिदे । → मिश्राति = ग्रिश+च्याति → गिला मण्डमवावसुँ। ► श्रथम = यथ + म → श्रथ (महा दम । → प्राप्ति = म्हें + प्या (< र्या) → प्राप्ति वास्त्र (स । (योहिमाकाम काल साधार क्लिमान स्मीर्श्व आसित नामुक अथा नमन ७ अस्तित्व जनन अर्धुत भासकता कर्वा भारत न। कात बाबुसाना उस बाह्न भिष्ट्रशेन भ्रोबान जाताति मारिक ७ अधिन- भ्रिजीन पिष्टिश्व निरम माजनामि बा

नेपदापि मा नात हिनात्रात्रा (अप)।

(था) तृष्/तृष् भवष् : प्रकृषि या प्रयास (थाता छिपात यस प्रकृषि या प्रयासन व्यक्ताति ना इस मधान जिन्न व्यथा प्रमान काल व्यक्त हुए या तुर्ए कावा देल। र्की = रक+रत→ रक आए यात → प्राप्तिका = प्रश्याप अथात श्रुति कत् व्रक्ति मुंबुक्त वास्त्राम **अधाति** त्रिमात् विकास ♦ डाह्ममा = (आ+प्रमा → अनु (धाला 🗲 तथाति गाणिक व्यमासन ७ मर्गाह्मासना सम्मर → प्रश्ने = स्म प्रकृष्टिजाल सी भा वाजाम (प्र+वी +)
Note: मूल आत्मात साथ प्राथित लाल सिजित

→ प्रथाल प्रवी + व्यथं श्रुष्ठ वा प्राप्तीन

निर्माल प्राप्तीन

निर्माल प्रवी + व्यथं श्रुष्ठ वा प्राप्तीन

निर्माल प्राप्तीन

निर्माल प्रवी + व्यथं स्थापित मार्यासीन

निर्माल प्रवी + व्यथं स्थासीन ♠ तथात व्रवीन व्यर्थ श्रुष्ठ या प्राठीन মনে নাখার লাভান न्तूर बाद्य याम कि, व्यवाधिन → त्र्रिए३ प्राची + म्राञ्च पान झाथान ज्यानिया पातकावि पात अवास्त्र -उ पुरुषापुर मात्य निस् कुक्सवात मात्य कातुम्पि ना कतः मन्त्राचाततः पतः किन छात्रा मान्यको थ्यास अक दश्मन शासमान काउ। जाना पितक था एकरामि नकार्य सुम्बाल दितन कितमत करत ज्यात হঠান দিটে চঙ্জি বাজা যাত্রাম। (का) सांवातुए अन्य : व्यवाव व्यक्त जेपात रास मजारात प्यतुवामि ता इस जित्र वार्थ प्रानाम कब्रल जाक (याडाबुर अवर वल। उपारम > मका छ । जिल्ला या। भातिए यहक विष्टूर उसा विक्रू भूजा वसण विवस्मार । →असित् = दम (कात हात्राक असित यात्र । विकु वर्जमाल असित यहाल तक विलाभ डीमा प्रमालमात्क व्यवसाय ) → मरामा। = स्मरंगात चन्नात्व चुड मानारक रवासाम् । किंकु वर्जमात मरामात्रा स्थानरात निसं यहा कुमान । → जनिष = जन धानने कान नाम । निष्ठ वर्डमात जनिष्ठ तैनामात्र अञ्चत्र सम्मात । → রাজ্যপুত = রাজ্যন পুন । বিদ্ধু বর্তমানে যোগার্, দ শব্দ বিদেরে জাতি বিদ্ধো বোঝাম।

Note: ☐ রাজ্যর (রাজ্যর মুন) → দৌরিক সাবদ

দৌরিক সাবদ स्पाउस्तर काद মনে রাখান কোমন स्पित्रसूर्व सामुच जामिन जातुथ त्यात्म सुन्ति त्यात्म प्रभावन एक्त्रियात्त च महिनात्त यात्रा नगरत मिन्द्र (यात्म रवत् राम ज्यान , जात्मिन, नतम् ७ गाज्मा माराम निरम हुन कार्मन (राजा) দিটে চড়ে মহামান। করে সোঁদেখেন্তুরে রাজা সুহাদ- মরোজের কাছে সোনেম। ক্রপান্তস্থূন্য স্মেণীবিতার। : কি) তাৎসাম ভাব ; ততুক্ষা একটি দারিভামিক ভাব। এর ভার্য ততু- (ভার), ভারা (সমান)= णात अज्ञान व्यर्था। प्रश्रुमण्य अज्ञान । स्थापव आवा अश्रुक्त जामा (थाएक (भागाञ्चित्र) नाडुकास भाषां अवर् मालव स्ताम व्यमनिवर्षिक संस्तिक, (समव कामाना अभिन्न कामा यहा। (सम्बन १ हेन्द्र) सूर्य, नक्ष्य, र्वर्य, भन्न, मून्या देशापि। 🍑 ज्याम कवा हिनान छेगाम : भ नार्ष प्रयाम ४०% व्यवहर जिसन वाया । (आपे वर्तान नातान सम्मूला मीन जायाम রাচ্ছি তার আধিকাংশ সাবাই ত্যুসার কাব্য। य क्मान भारत प्रात्था ने, यं युक्त स्थानल काथा वुल्ल वल मिल मिर स्थार स्थान स्थान

(सञ्चन: सर्वम्), सामिना, जानुस, पूर्व, पामार्व)

। 'अ' मुक अन् ज्यम अन्। (त्रक्ष्म) म्यू वक्ष, विक्रा)

भ अ मु अब गुप्तर भव । (प्रश्री)

व। ज्यान जेपमन पुत्र भाव ज्याम भावा। (प्रवान, पञ्चाल्य, ज्यापमान, महाक्) ৬। তাদের সন্ধি সমূহ তাদের কাব্য। (মনে রাখাবে বিস্নর্গ সনিধি সমূহের সবচালোইতাসম)

१। তৎুসম প্রত্যুদ্ধ মন্ত্র তৎুসম ধার,। (কানক, শ্রুবন, সাহিত্যিক, বিমন্তিক)

b। ह- मतुल मार्गाके अवड्याला (बिक्स विभिन्न जार्गर अप्रमा अप । (स्कू मूर्य) नम्म)

ভাসম ভাশ

- त्रूर्य) ल्यू, पर्यं, इवि, असी, न्युर्भ, मनुम्।, पिछा, त्रांष्ठा, प्रांग, पर्य, कर्म, एएछन, याम, क्रिया, क्रमण, स्ट्र ६र्म, जुन, जुनम, ज्यम्, ३६७, द्वाना, मीक्रिट, बना, स्रिह, उक्ता भन्ना प्रस्कत् द्वेपी

ন্মনে স্থাখার কৌশন

अपूर्व ७ मी व्यक्ति क्रमूत द्रभागा ७ प्रमा गामुत शृह (मधा याम, रमधात व्यामनी क्रभी ७ मास कम्। वर्माव जामिक लोगाम हेमुक मास्त्री तिएम त्या करत अर मकाल क्कान कर्रकात स्रामी ७ सम्रोप प्रथान स्थान स्थान तील जातात जीवन मूळ श्रीव्या विस्वव ज्याजिस वर्त्र वर्त्र करते यात ग्रुखि लाएन एकी कात।

(था) व्यन- जारमा : वर्ष जारमा भारत व्यर्थ व्यन जारात मान व्यर्था व्यर्थिक मान अस्रात । द्वा प्रव अवस् प्रश्मुक (अता व्याप्तिक प्राविवर्षिक रूप्स विश्मा তামায় প্রথাত আলে অর্থি-ত্যুসস ভাবা বলে।

उपार्शन ভাগন ভাগন अंग्रह व्याप्त WHO WHO HO SHA ज्यम म अर्थ ज्याग **उर्भा** एखाम् আধার स्त्रीम বিফি जिसे। व्यक्तवगृत् বোদুর व्यक्ति णिए थाहा প্রাহত DETER डॉक्स भूग 2509 安罗屯 和为 মিছির চ্ন विवि 功化本 खासक 1113 णि 3 阳初 निया/मिए मक्रादिक निमन्त समन्त्र 気でも वाञ्चि (जी 3 如 假想 भूशिको 32 नावि लाया व्यम নপু (छ।धा 145 何极 1411 याम अकुत 极 到打 বেরা अक (काम्पा याज्य **५७३** 梦思 UZ ख्याप्रमा ख्याह्ना SILA BHS Part. आश ध्याप माउ 2341 对也 नामुड द्रस्काद कुमान 对十 व्याता 2024 श्राप 34850 ভার आसाद न्नान प्यान द्राधिक **अ**त्रक्ष ভারা ক্ৰা পেরাম याक याधि ध्यानान **काशा** यग्मलि वासक वात्यक 四十四 पाज्य কামার বাতি 汉到 माश बिशी विष्यित মভাম কর্মকার वर्डिया। সকল क्रामिक

द्यात द्वाधान क्लेबन

• केन्द्र ७ त्रुकेन लामंत्र श्रामित मिन्ति चाङ्गिए तमस्त (MCH श्रेष्ट, श्राम ७ क्या लान्नाय করতে গিমে দেখন কেন্টো ভ্যোচনা রাভিতে ক্রন্ডিত গিমির সাথে দুখের নিচে পিনিতি বংর श्रुका तक्त रहताम् कत्रहा।

(51) তার अमः তার প্রশার্ট পারিডামিশ খন । প্রব অর্থা [জা (প্রর)+ তথ (উপ্রসূত্র)] = সমাখাত প্রসন্ন शादिक्तो प्याचार मारमूल तथाना डेरणत्। ह्यमन अत्यत मून मश्मूल अत्य , विन्तु जामान शाधानिक विवर्जन बीत्रस प्रावृद्धन निर्मास पतिवर्षिकशस वाश्मी सामास असिंह जाएत केंद्रव नाम बाल ।

S-STIEZATE			- Linear Contract	Toronto Contract	I reported	マックスタ	215	
चरमञ	প্রাক্ত	37,4	ফেপ্সেয়	MIRA	ভার	<b>C</b> 30	ाड्ड	TUTO
- TP-ST	7000	210	西京	15 P	THAT	- 60	मार	फर्स
<b>क्स्</b>	NA.	राम	49	43	40	71/4	100,00	আভা
	TP4	अगा	जाहरू।	মিভিজা	भारि	उग्राम		
TRAIL	3085		TATATA	CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE	हाप्ताउ	বজা	বংশ	বাক
मार	যাতা	FIL	1-अकान	<b>इन्नान</b>				

বি) দেখি কাব্ : বাংলাদেশের আদিস অধিবাসীদের (অসন: বিশান, সুকা, সূত্রতি) তামাও সংস্কৃতির किष्टु किष्टु उलामान नार्माम नकिण एता । २ प्रत अन्त्या एकि। अस् वला। → फलमूल ७ मन्छि: जान, छात्रका, हाडेल, बिखा, द्वितन, त्याडे, थात्रकृति, ज्यान्त्र, व्यान्त्र,

 आएवे ताझ : अछात , ए६ ऱ्या, एमाना, नार्छा , एकता, वंग्डला 🖜 गुरुमानि पुरा : याजा, जाजिल, बाह्मा, कुला, पत्रजा, हिम्नर्टा, सार्थ, प्राव्हा।

अनुम्ताः थड़, एका, रणला, एकाङ्ग, एकि, हारे, स्वाल, खरा, दाला, खन्न, एक, एके, एप्रित, हैंकि, ब्लाइन, लड़ा, लाही, ह्यांकरी, कुड़ि, धूकि, प्राणा, रबाड़ा, डिडिंग, बिडिंग, मर्थ, बालाना, किर्नेड, रमहे, बालाना,

(मुखमी लाम)

(सम्बद्धा)

# # एकि अस् उत्तर ताथात क्येंबन #

🔷 গ্লাম-গ্রাপ্ত কুলা ও ঢেকিনু প্রবহার রম্ভাছে ভাগর তিজ্ঞাম বমে টোগর সরে চোল্লা দিমে এব খাছে।

🕨 ডাগর জগর ছেনের। টোসর দরে তার গিটিয়ে হুনা, কুনা, চোজা, আন্তু, স্মার্চা उ कि कमान जम् विका तिस अक्षे याञ्चात मूखे जन्न मिथा कथा यहा नार्व ७ हिट्डिन ন্যোন দিয়ে পেট (অফিন) তরে তাত থেন। ভারগর খুকির সার তেওঁ নাগিয়ে স্বর্থ ব্রুড়িটা (বেশন) ভাব পেরে দিন।

(६) विमुन्ति काव है स्य प्रम काव विहिन्न निए कि छाया (थाना नाश्मा जायाम नामाए जिन्नुनिएक विमुन्ति নাম বলে।

बिस विजिन विएका अन् एउमा इन :-

#### # पद्रित्रिक भाग जात जाधा है छिगा। #

- → पर्वुशिश्रुद्धा व्यानावस्य व्यानिषित्र पित्र वानिश्व कत् व्यानमाविष्ठ एत श्रुपाल (ब्रध्य जित्र) पिस हल यस। जात पादिता पारति (धास त्रीकांस हल यस।
- १वा पर्श्विष पारि सिन्द्रि (जाए) श्रमास कुरा क्रामिस व्यानवाष्ट्रा, रेज्याण (पातक व्यामित पिछा काल करत <u>प्राचान पि</u>ष्ट छा।प्रम करने तेनर है फिति कहा छात्राल पिष्ट डा। सूछ अ। हिन वाणम লাগিয়ে পার্ডরুটি থেমে বালছির ভিতর আনম্বর্ম, আভা, গৈপে । শেমার।, বাণি নিমে পিরার श्रुमाल प्रवि पिस द्राधाला। किंदु किशानि व्यालमाहि यहिस मिलि त्रल जात विकास ७ विश्वास एम (पश्चित्स नगममान जानामा (पर्यक्ष) शीक्षान मार्थ। प्राचन गतन । वात्रात भव मार्छ नगत না লাগে সেপুনা ফরিছিল ফিছা পরিছিল ফালালে লোক বেখালার খ্রন খ্রন্ বি বানতে লাছাল।

#### # क्रन्नामि नाम अत जाधान लोगन #

- → फताप्रिता नाष्ट्रभुखा कुलन ; िहलाखा त्त्रास्मिता वला।
- → क्वांत्रिताः देश्वाण , अत्रात्राण अपितन्त्रातः अव व्याणीयात्र मार्था व्याणाय ना कात नार्वाण्यः ক্রুপন নহারীর ভিচ্ছা গুয়ারেও ব্যানে রেন্ডোরা ও আর্টিন ছাঙ্গলা ।

#### # अलगाज भाव यात राधात कोखल #

🖚 अनमाजुना रेफाणन व्यापेक्ष वरा जारान रेजूसा स्वयन , तुर्वण हितायन प्रिस (र्वज्ञा यूक्प प्राप्त ।

# # यात्रशिकाषु त्रात त्राधार क्रांकान #

- 🔷 ধর্মাং ক্লান্ত কর : প্রোদা প্রবাহ কর জ দেসখ দেবে। দেবে ক্রাণ্ডা ও প্রস্থারর নামান পর্ব ७ द्वाया जाधाल (यर्क्नुण भाव।
- ▼प्रणाप्रतिक ७ प्रार्क्षांख्या अवा ः वाप्रशार ७ वित्रां प्रक्रिया पृक्ष्या प्रकृता वाप्रशासक एतकात क्लिया महा तक वानाता ज्यातवित ना कहा लाग्या जवदान वावल पिल्पा। किंद्धु म स्थान अभूपपासित लामा १७५१म फ्राफ्ट कासमाद्यान क्रिक्टा (अअप) खुत् वा वलान । मूल वास्तार দম্ভগ্রকৃত নানিষ্য প্রহণ করে ভারিখ টিবা করে ভারে দৌলতপুরে দাতিমে দিনেন।

বিবিধ শব্দঃ আদুরি জিন্। নসুনার বদমস জানোয়ার আমদানি রক্ষান করে राष्ट्रामा त्रुमि कंति।

# नामाम, ह्यामा ना कहल अनेष्ट रम, जारे खाराफ स्पष्ट भावल ना। ज्यान भूमजन्मन ७ एक ल न्यान

- # यामगार व स्वास अवादा पृत्ववास अया वामात्व महावादि (महावाद) ठाड्राहि पिए छाईलान । नितु स्व स्मिन अम्प्रपासन्त (भाक श्रुप्तम प्रकर्णन व म्हणात्र जासामान व (भ हास्त्राम। सूत्र क्सब्त । शुंख वामभार मस्प्रधान्य नामिका अस्ति वास व्यक्ति ना करत जासमानि বর্থানাত্ত বর্গান্ত করলেন সবং জন্নাদ্দে বনালন আ দনিদের জিন্দা পর্দান করিছে
- # गादिशतता एक्षा छित्रि कात गात्रधानाम । कात्रधानारि पात्रम् श्रूमकाति च्यवञ्जूण । एकात्रा विकि कल याजात्त्व (पाकाप्त । कातिष्ठात रूगमा कितिय प्रमा कारामान व्यासपानि कात स्थार पानान क्लामा ब्राह्माने वाह्म। व्यात भेरे क्लिमा एम भूम्हा ७ मार्खगित पूरे जावरे विक्र वाह्म।
- # जामारे निस कहात समग्र मालाम। पास्कादि पाउ द्वापा उनमान एस । विस्राल (मात्रार) प्राानार्थ सुक्रजीव (सामी विक्रिमानी अमी एसा दल। जामाई तमय ना एथए जाजा तम एवं जानाई वाजाए বনে আপন মনে ত্যানু তর্মুজ্ঞানচার ও মরিচের সবজি প্রাঞ্জন ক্রন ।
- # याजात या याजिहास यथान व्यतिक साल (आलाप एकाई व्यथन (प्रधा सास जानिहास मण ।
- # शामा बाज्यक व्यर्था। स्पन्नाताव प्रात्म जान वा जान। "सुनु शास वा स्वान हिन्न श्रवर्ष काविप कार्व। ্র মতার।, মেতার।, মেতার। মেতার।

# এমি, তাম, তুর দিমে তাতি কদে কার্ম শব । 🗢 গমিনার, তমগুর, তামার, তামার

- # तः तर ताम (ताम, प्रवृक्ष, प्राप्ता, ज्याप्रमानि, ज्याकाशी > प्राक्तिन का भी , एवं तीने जुप्रम व्यक्त।
- স্ফার্রনি (ক্সামনিক ওমাংস্কৃতিক্সক): কাসত্য কার্থানার কার্বিচার ওস্টাদ কার্বুনি আফগান আছুর बाजात अक मुक्बार्स खकासान हैमन वह व्याजातासन व्याह्माल तरणदाम व्यालमा क्रामा अमिरिक स्वमान प्रमात्म । आसम् प्रियं मिया निक परमध्य ७ ज्यानयि। पिए आजिसम् यमा याम्ना ७ (आजाप शह पिष्णाता त्वशास्त्र वपाछ नानिका कर्छा। यान्ना ज्यन मिमारि (म्यापाल (इत् अग्रम विद्वापात कर् व्यक्तिमान काल पिए बनासन। किन् देश कालिए शक स्थान नुग्रम हुनि वस्त् जिस हाकतिहों रहा।
- সর্কি ( র্ম সংখ্রান্ত): (আদা দেরেসখার মাধ্যমে দ্রুগমুর্ব বরে দিনেন মারা নামান্ত) বোকা বার্থে ভাদের তান্য বেছেতাত আরু সুনাহ কর্মে দোসথা
- করেম (বিবিধ): আমদানি- রাচানি ব্যবসা কর্তি গিয়ে খাজানা ধারিয়ে দিন ব্যাসাল ज्यामकि । जिला जातासासि पेल ।

# # द्वार्थ अन्य मत्त द्वाधान एकोमन #

• हमाचना थान बादापुताव लाग थुँछ पाछमा माएक ता। २व उदि पत्रा (कांग्या पादााजा कवि) স্থান্ত লাশ জনামা করতিন। জনামা করে সে প্রতি দেন চাব্র, নাচি,মা চনচনা ব্যক্ষক করতে। हितान आजाल वार्तुहिँ था आएसन ध्याकान छन्। कार्मा नान्। कन्छिन। पाखाणा वस्तुहिल छिद्याप कड़का प्र यत्रत, व्यामित व्यामान मापा राष्ट्रह, वावा प्रअन्ताल व्यामि किपूरे जाति ता । अधात वीम नरम अनम् , क्रुम्तिता। ज्याणित जाल (प्रम, जाना वालु श्रा प्रथ वाल पिए।

# # जापनि काय मल जायात लोगान #

- # ४५ अथ्युपतु कातमि अक्षप्राला हाल याकि यय आहारि वाय । → आहार, यानाण माडव
- # অদানত মংব্রান্ত কমাসুভাগে বেমার বার্যাই আরবি কাদ। → উদিকাসুক্তার, নাম, প্রভনাম, সুনাক
- # (गामाए राजम पिस शालम वा ज्यालम किनाव, किना वातून, वरे लिएप्रिन ।
- # मित्रुमि छाशाख यहा विलय तकता यहान । या याजहार माला (मानाहाम प्रुह अकन आउरा अह यत्रल । तर भार्थ ज्वला जातपूरा वाजाल सुतु तर्वल । ज्वला जमपुद्धात जाअभारा क्रुकान नाम्म ।
- ▼ ज्यालम्हार्ग रेजनास्तर ज्यारेत यातुन ७ (कात्रच्यात शामिम सम्मात रेनिकालात रेका्ण्यात मिलन। शासाम বর্জন করে হানাল দা্য থেকে মহিনভাবে ওমু সোপন করে মনেদের সাথে মাকাত হত দানন করেনে पालाश्व हैमान प्रत्ण कियानाएड पिन जारानाएम शहिव जाताण रेकाला पिखन। याता शहिव पाल वर, किञ्चित, माम्राञ, क्रमा, जर्मात पित्र प्राशामा कृत्व व्याम्राश्च प्राप्तामा स्वाप्त अस्य व्यक्तत्र निम्म, याकि प्रव भूतीर धारिक रस यात्। पालाल हेष्ट्रिप, स्वतल, सक्ति, सासुन भूत्रिक, अम्मानाम् वायाव भ्रायव श्राय

#### # दिन्द अब मत दाधात लोगज #

→ जासिक मिणेडे (थास कमना निष्ठान जामा जाना जाना नामात में एमधी किन । तुमन मन्नम <u>ज्यकाति</u> अग्रामा दित्रगाई यान् श्राम श्रामि शांत एता काल पाति एक पिन । देशन श्रामिका बार्क लिस कुलि प्रदेश प्रता कामन कामहिवल होता होति होति में प्रति भाउमान ।

#### # अल जाथार क्रांन #

- → हिमा अभी प्राम्णान हो। निष्कु, नूहि अ हा बामाल हिन सुवरावम्समा। → सिम्पिकाल = ह्वालिट
- 🔷 छापाति अस् 💲 छापातिश ऱ्यातिकिति युन्त तिन्यास ५ए५ ज्यात कुछ। मादार्हिन गाठाण (यक रणनाएना कुन कित ।
- मासानभाव (वर्सि) वास दे वामीत्रा जुलिए युक्ति यात्र ।
- → द्वार्यकादा: प्रार्कि हाकासम् हातुन लाग प्राप्याल माहाहा। महा द्रम ।
- श्रृक्तवारिः श्रृक्तवारियः च्यानि एव द्वणस्य समम श्राप्त विक्रि दसना।
- ► शाक्काविः शाक्कावन्। <u>ख्ववा</u> पितः ठाष्ट्रिता व्यवस्यी शिक्ष लिन् वहः।
- # देशतिक अन्यः देशतिक अन्य पु प्रभासत् -
- → व्यालमि देशतिक क्रिस्ति : देवीन डापिटि, देवीनम्म, यालाक, कि. → एक = क्रूरेनारेन नाडन, तार्र, णांडेपात्र, (णित्राज, शांडा, क्रांच्या, प्रार्थात्र, क्रूमा, लाशब्राबु
- अमित्रविक देखाः (d: online), कार्यात्म (office), रकुल (school), बाका (Box), सामामाना (Hospital), (aroa (Bottle)

### # ज्यागा लहान काम #

- → হেখানিকা = প্রমাক
- → মিংহনি = মিডর
- → भारती0 = न्यूबाश
- → जाञ्जिनिया= गाळाातू
- → मिश्री प्याफिका= छित्रा
- → शिका = (कार्क, माम, ध्यारी
- ♦ रेग्निम् = न्याप्त्या , न्यारक्रमी
- → प्राचीन = नाइछि
- → छातिल = इक्टी वा हुवर्र
- → आलम = वंग्याष्ट्रसा , विविष्ठ
- → तुश = यवाशांडवा
- अधिकात्र वास्त्रा, द्राल्या

#### # 例如明#

- (२० भोनेडी (रेश्विन भारतीय) मिक मुन्ति (रुप्रम + रेश्विक) (२५-मिक (ई: विकि + जामन)
- → उष्हान-धाना (चेरानिक्र+मानमि) → प्रस्थि-मान (चेरानिक्र+बार्गा)
- चि-र्राष (कान्तिम च्यान्ति)
- जारेनजीयी (कातपि+ज्यमभ्र) ►धियोष (धिरो+अस)=(२०+७५×म)
- + स्वामावाकु (लर्ज्जाक्) + कालामा (प्राक्षाय + प्रथम क्रियमाड
- कालि-कलका(प्रध्युक्त + यताक्रिप)

- ताष्ट्रा वाफ्रा (जमझ+कात्रात्र) → शक्काञ (ऋत्त्रात्र + वार्गा)
- रार्ट-वाशास(वाह्ना) + स्वास्त्राम् (जात्रवि+ ज्यास्त्राम्)
- → हरताल<sup>\*</sup> छात्रात भिग्रहंड नातार शक एर जरना जाड़ि ?
  - → काइडि जारेत नाम्का (मोलडीत টে বাজারখানা
- ♦ जामते जाना मिल्ल जन्नीयी,
- →वारली\_चाण शर्ष मान ।
- → प्याति (व शाप

प्रातिः कान डामाम स्मातिः कात्पत् स्मातिः अध्यातः प्रात्माने प्रात्म वा स्थितिः कात्मिक्षात्र प्रात्म स्थातः स्थातः प्राप्ता भागः ना जाता सानि वान ।

→ ध्रिम त्वाकार [] त्रालि न्युक्ट रम । स्मारतनः [म], [म], [रे], [रे]

→ श्रित ज्यितिश्रक, छाध्य (एश्रा गारू ना।

वर्न : दिवित्व जाश्कालिक हिन्न ज्याकात प्रकाश कहाल जात वल वर्न ।

→ वर्न लिधिक, हाथि एसथा यास। उपार्विक राज्या, दे, उ

प्रक्रित्/Syllable: निः श्रापित मनगण्य व्रह्मात प्रकरे यक मानावत माल स्म सिनि. या श्रितित अमिरिट्रेस नगत डिस्सारिण यस छाता ज्यक्कर यह ।

जीखनः जामा , जा , विन्धु-वि-मा। लम

का चाडुला वर्म्हाला सार्ट Coft । चुनुवर्त उनि प्रवर्ष अवर वा क्कानवर्त अने कि ।

	वुनवर्भ ।		3112		नुष्ठानम् अधूर
ख	आ दे	है उ	3	37cc	ক থ গু সু ধু
= 38	2 3	3 3			百里可不用
# -	<u>সায়াই</u> ট		7		रिश्च करे
	व्यवस्था। रेसव प्	भंगामा		७२ सि <b>♦</b>	७ थ म ४ न
	ক্যাগ্রাস	भूर			ण के व ए स
সামা	374	गुक्रतयर्न	हमार्ष		य इ न
हर्भ गवा	U	26	७२६	- जीर्यभाषा मसूर	শু ষ ম হ
अर्थि महा।	३(भा)	9	bott	ক্ষত্ম হান্ম	<b>ए</b> ए म
माप्रोदिन	8	y	2016	मणला	5 0 0 €

ना कातः अत्रवर्तत भः श्रिष्ठि सामता वात वल। कात प्यात व्यक्ति। प्य-सामा वात तरे।

a, 1 = ज्या-यान

い、く=547-4月日

विषु यात्र प्रमाधिक कान हिए :

२. f = रे-कान

१ । इ = १ - वार

₹→#, ₹, ð, a

७.भै = द्र-यात

न. दे = श्री-कान

金子(八百年)

८ द = छ- कान

३०.ही = अ- कहा

<u>ক্রনা ঃ ব্যক্তমবর্ণের সংক্রিণ্ট ক্রাণলে ফলা বলে। ফলা আছে ৬ টি</u>

ə. ম-ফনা (J)

8. ज्ञ-क्ला (ज्ञ)→त

२ ल-या (ल)

ए. अ-यामा (अ)

७। य-माना (य)

v. 十/年- 石町 (十/3/0)

जुरुश्वितित १िर ज्यनम्यातः

7. 5. 5. 5. 5. 5.	Instantia Admi	Free felts and r	प्रकार क्योगं <del>कें</del>
-स्थात	পর সমত	প্রক বিকৃত	গোলাকার
उस	7/2		3/3
द्धि मन्।	А		3
निम्न अविग	ज्या		অ
নিম্ন		অ্যা (আন্মার্চ)	

प्रमा अर्द्धाति उक्तित्ति म्हातः

-ड्यूब्यनि	उक्ताव-		
১. অ, আ।	वागा		
27,7	তানব)		
6,4,3	3201		
8. 24	ग्रेशना		
a. 2,2	कत्मा जान्या (३+२)		
15, 13, 3	वन्ता उमा (२+७)		

मि निस् उक्तान क्यान व्यवसारी वाड्ना मिलिए न्यक्रिनमित्र विद्याश एप्प्रात। एल :

उद्यक्ते ग्राव	व्यक्तिश्वनित वर्गममूर	उद्यातन भाग ज्यानमूरी नाम
<i>ভিষাদূ</i> ন	क भाजा हा ए	क्रों)या जिल्लाम्लीय
ज्याध्यानु ।	<b>४ म् जिस अस्य म</b>	जानगु वर्न
नस्राट मन्डामून	रे १ डिए । सब्दू	मुक्तमा वा प्रमान मत्त
च्या पतुम्यून	ज्य प्रति स	पक्त यर्ग
(ক্রম)	गक व छ ऋ	उसे वर्न

मि गुड्रान को हि यात मही-अमार्श्व मूर्य → 20 हि (क - इन पर्यंत्र) ২ নামিক্য → ৫ ft (৬, 12, 1, 1, 1)

७ কম্যানপ্রাণ → ১ ft (ন)
৪. ভাতুনভাত → ২ ft (ড়, ড়)

Q. पार्शिक ऋमि → अरि (ल)

७. उम्मानिस्थाने + शिर्टिस्प्रेये

**अ**प्याम व्यक्ता मार्न 2 एवाम मयात्राम

१. ज्युहरू विस्ति → १ वि (या, ता, ता, य) ४. भूताश्रमी श्वात → ७ दि (९, ९, ७) ते. जातूना रिका श्वानि → और (७)

英明十四月	- <b>અ</b> (ઉ	四	খোষ			
	(S) (S) FIR (SK HR (SHO		(७) (९) जम्म मधामा		(৫) নাচ্চন্ত্র	
वाली	क ।	4217	st	田	8	
ভানব্য	F	5	B	N	B	
要何	रे	T	4	T	+	
पंडा	U	25	Ti	87	न	
3	प	4	4	ত	ঝ	
	255			-16	2	

তাড়ন ভাঞ	ন্দক আন্ত	পার্ম্বিক	图 /	व्यक्तम् व्यक्ति	शहरूमी	1570 1570
4	-4	ਜ	25	স	10	0
6	I Car	- 10	田	7	00	*
			अ	751	U	
			2	A		

अञ्चल्या किया किया :

# विद्याद (२,७,०) = जानम्प्राप

# छाड़ (२,8) = उद्यापान

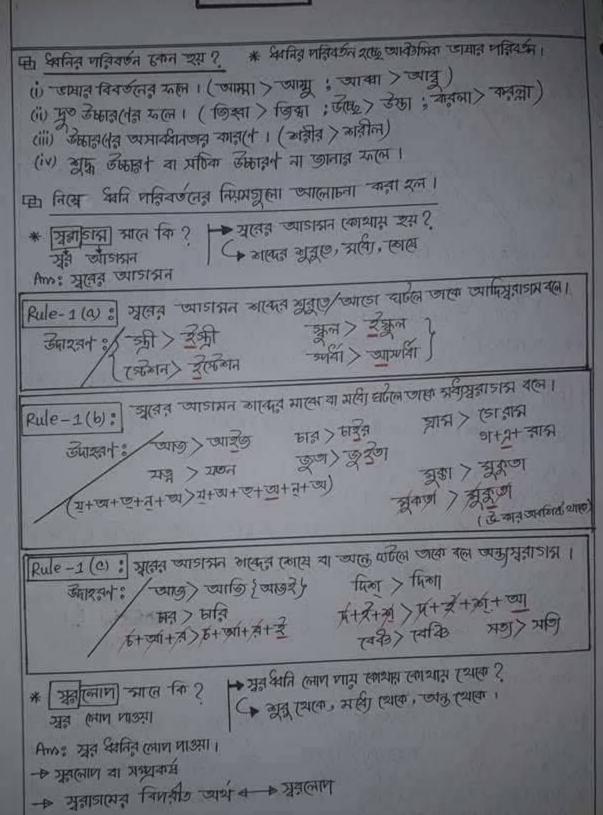
# (১,2) = অ্থেটাম

# (0,8,0) = (याम

Technic:

🏎 কল্পার ভালে সূর্যা দত্ত গুর্মাম না

"মুক্ত বর্ণের সাজার রংস্যা"							
১. ক্ত=ক্+ড} ত্রা,ভর্ত্তি	xx は一色+え+はりるは、変化		क्य=रु+थ रे श्रीभा				
२ ब्रा=र्भन्ने छ्र,ज्यानुमार्भ	भ म= ११) देशाम, दिशा		黑=变+374美,灵烈为				
<ol> <li>रण=रा+म} वागा, काया</li> </ol>	ळ. मि=म्+भि} नामे अमि		第二年4月子 家村,到新				
८. क्रि=७+क} अफ़ा, क्फ़ाल	भी नियान में नियम नियम नियम	100.	क = र्+ त } स्यार , यर				
८. हा=५+५} वाषा, प्रसीव	२०. छ=छ+इ} वाणा, प्रमन		क्ष=र्+र्भेष्ट्रबाद्भ,ज्यातात्र				
U. 双二本+2 4两,相称	20. 真=世十灵十世子 夏季市		श्रा=र्+म्भ) नश्रान				
9. 西=ミ+双}到新大多別	स्र वृ=ए+३+छ} वृष्णि	Ot.	第=为+如子和				
৮ ড=ড+,ম}কিজান, জ্ঞান	20. 夏=日十分了到的到了	હ્યું.	प्स= एमक} जामा, जामिक				
3. 第二年十五子列第,对党引	२८। हु= त्+छ} त्रुण, त्रुपत्री	80,	到=3+年)强制,恐制				
२० है = १३ + १० विद्वार	रतः श्र=र्ग+हे अर्थे अरे	87	图=笔十年 图 图明				
क्र कि=रू+छ} शक्र अक्रम	२५. मू=र्ग+र्ग+छी असु	82.	का=न्+७+३} याण्या				
थः रे=र्+रे खेत्रात	रा श्=र्मस्रे+छे श्रुश्म	86,	म=न+४) अन्यानगर				
३७. र= १+७) गार्, अराव	र्कः सा=र्मको श्रीषा	88.					
স্ক ভ=ভ+ভ} বিভ, উভন	初。耶=其十十一百年,使用	82.					
æ. त्र = ए+इ} भन्न, प्रतिका	७० छ= म्+०} याना, यान	816					
দ্র গুরুত্বপূর্ণ তথ্য কর্নিকাঃ	9						
े नीक्षतवर्शन अधिकार न	प्रता कला बल । बार्ला अप्राना	7 200	मा मुध्या एरि; मणनात ५ कि।				
रे अ-कमा भाषात्र अतार	थामाल उस्तानिक इस मा। <del>- अ</del> स्	6,7	वर्षः स्मातक				
७. श्राम बगता उपनावन	लरे → ९,५/४, त/ ७, म/	103.	7 /2:°				
8 कात्पन श्रीनिक व्यव्हा ब	वित/ लामान क्रुपुल्य तेनान ध्वरी	7/-	ভ্ৰায়াৰ মূল উপাধান প্ৰান/				
भाषात अध्याज्ञ प्रकार	श्रांति	1.					
৫. সান্দের ক্ল্যুক্স আংশ	4+1						
(b. क्रांकिक असी विभार्श 2	गकाल पत्रविष बुक्त पुष्	र स	1 🗕 पुःथ				
१ आसाज याद्र वर्ग २	f61→ <>>;						
L D. A JA BANAT	व्यर्भ ७ ७मा भारति मानगा	पाणि					
0. A) 1/3 PI	धाक एक)		(अर्थन)				
के सुन्तु अर्थ तम ९।	- HOLEN THE TOO BUIL	<b>→</b> 3	( Horal)				
२०. लिए ७ माल दिख्य प्रायात्म किलाविक हमा→त्र (Mang) । (Mang) ।							
२२. कार्यातारे वात्मत भूत्राक वात्मता त्रामत वर्त श्राला रूक → ए. ०, ०, ०, ०, ०, ०, ०, ०, ०, ०, ०, ०, ०,							
ेर बाहुला बने प्राच्या स्वकार्य (COTE)							
्रवाण श्रुकारक प्रविधान तस भा किस्ते×							
वर्षः बाह्मा वर्षमानाम् २ सि. (४,३) प्रवस्त्रपम् वर्षः च्यार्छ ।							
अनुवात रूप प्रवर्भ (का. च. च. घा) हिंद पाय अने ।।।।							
गढ़ नामात कावाल "a" कारत अन कारत में देश ( जिते, C")							
वर्ग कार्य "एवा" मेर्गाय :	क्रमां जात्र । (1) ग्रायान (3 (1)						
Db. याःली वर्गमालाय अव	ज्यान, ज्यान	000	G				
SA CON OFF THE	१ वर्षित्र मित्र ज्ञुक्तिस थात् । <b>(</b> स	- 17	+四) (6대 (8+四+대+엑)				
A COPPAIGN	יוםא אנון אויינה אוני ו (א		7				



20 Rule-2(a) वात्यत सूतु वा च्यापि त्थत्य सूत्र स्वित लाग एगल जाक यल व्यापिश्वससाम । আন্দাৰন > ক্ষাৰন ज्यारत र ज्यत्मानु > लानु Rule-2 (b) अल्प्ड मेर्या ऋख युर्वकित (लाण एगल जात दल अर्घा युर्वलाण । ज्याद्वनेः/ वस्रिं > वस्रिं अत्राता > जाता > जाता - মু(অ নাল দাইছে) - জানলা Rule-2(0): শবের আন্ত্য বা স্কোর থেকে সুর্বন্ধনি নোগ গেন থাক বান অক্তমুর্লোগ। চারি>চার আশা>আশ রাভি>রাত /আজি / আজ उपादन ह नाम न আমা+আ おすれて व्याष्ट्र+रे \* अञ्जीकद्वभ जाल कि ? Am; मनीयान नात मनात ज्यान जान जाननी मात मनात जितिन वासमा कहा। व्यर्था पूर्वि समात भाषाता व्यसमात वन्हा। → अप्रजीकर्म : मुर्टि तकरे अल्पन आला आ(1) कान Add रूल। आर्थाए प्रकरेश्व थाकाल हिना ना करवाई द्वाला नित्व वृत्ति व्यञ्जीकिका । Rule-3: नगरे ख्रालन प्रमहादृष्टि पून कर्नात छन्। मार्वाणात यथन ख्रुवंधानि युक्त र्य उधन जाटक जानमीकार्तन वला। उपारतन क्षिम-धेन विमानिक रिम-दिण विमारिम आप-आप) नामानामा \* प्रिष्ट न अपन ज्ञात मि ? Ans: अन्ये मुक्त पुरेवात याता (Double उक्कावर) कथला कथला छात एक्सान छन्। अल्पन च्यत्र्डि मुद्ध दिन दिन्द उसान Rule-4: निष्याला कथाला एक का या या कुनिवृत्रण । देनार्सर् । भाषा > भाक्रा संगाल अक्राल अवारे > अद्वार त्यासन् भाग खार्नाहार \* गुरुन्छा भात कि,? Am: पुरीहे असव (नेव भगिष लाल लास माख। उद्भन्तु शिक्षात विश्वाप - Coins art out Note: ध्रुवय - पुक्य थाकाव । नाही - नाहीरे थाकाव । जार्थव मित्रवर्णन कहा यात ना । Rule-5 : | नामाणानि मभडकार्तन पुर्ण कुछ्तिस्ति थाकल जात्र त्यपि लाम गाम । म का जानाक बल युक्त मुक्ति वा स्वानुभूषि । ब्रह्माभा > वक्ता (X) एवर्ष विश्वित प्राप्ति बद्रमामा > बङ्मा (X) (छार्व हारि) (छार्व म यर्डिपिपि > वर्डिपि वडु पापा > वर्डपा वाक्ष्यमामा > वाक्षमा कावने जार्थिय भावित्रकी गाणिक एक हान रहार हा \* श्वित विषयम् कि २ 👈 विषयम् जात उत्ता - पानी रस याञ्या । Amo; अतिर विषयम आल अतिर ज्ञात भतिवर्जन बाह्य । खार्था अत्यह मिल्र प्राण उकुरतात एवडणाव स्वान विविधम चार्तक स्वातिस विवर्धम वल । वाक्से वाम्य

🖜 दल्य २ वृश्चित म्हास पश्चितक्त । स्पप्तनः २२ ७ > ३७२

Note: अर्ब वर्शन भाग भविवर्जन श्व किन कारतव भविवर्जन

```
भारतात अर्था पूर्ण। या क्रितात पातप्रात पातिवर्णन वर्णाल जार्य कानि विवर्ण का
     Rule-6:
                                                                                                                              নজন্তুল ডেক্স > ডেম্ব
                                                                                      해지 > 자취
                                       বাৰস > বামক
     उपारतन
                                                                                                                                      मणमाल्याल्याल इयुर्ट ८७४६
                                       मिनाहर १००० व्यानमा ८ गानमा
  * गुक्त विकृषि मात कि ?
    Ans: अकुर विकृष्टि आल अकुनित वपल मात । व्यथान अलात मेर्ना (अता सामाता
                    अगर्ण योखने पाइवर्णन काल पिलार के किन विक्रि । 5 कनि 296
  ® भिणात कारह कांगड़ परश्माम पारेंग ताल कारत कांगडि जालिस पिलमें ( Gb > 8b
     Rule-7: अन्य मिला त्याता त्याता प्रभम त्याता अक्षेत्र पात्रविक शस तथुन अक्षेत्रविन
             O Off VIVIS
                              नुवकुर रस । त्रल वेराक्त विकृष्टि वल। आक् आंत्र) रात्र) रात्र) रात्र
                                                                                        श्रीया > (गापा
भारता > प्रायेता
    उपार्व :/ काराह > काराह
  * अकर्छ जात कि ? - अमिति काम वर्ग वर्म मुल में अमित्रा ।
                                                                             কিস্মির্থত ভাষের আহের বর্ণ out হলে অন্তর্গত।
                                                                              चि अर्था? अक्रिताति ७ अक्रुवर्यात्व प्रसी प्राप्तव्युषु आए।
    Ams:
  गास्त्र भाग २७ प्रगिर्ध अभिमारल (जाल जाल व्यस्त्र्येणि यल। व्यायान व्यस्त्र्येणि भात
  व्यक्तस्य आका थाल ३९० वा भाका थाल नार ।
  * पुरीरि ब्लि वर्शन मालान मनी ।थान प्रकारि धाम महस्य व्यक्तरि ।
  * मंद्रीर अग्रवशिव अवारि धाय प्रहाल या अधिनांप्रीय ।
    Rule-80 मालन माना (माला उन्हेन श्विति लाग माला जाता यहा जातुई छ ।
                           / यान्छ्रत > याञ्चत असारिप > अस्य १ - युज्यामा > युज्या
                              मनाश्रें में माना व्यानारियां व्यानायां वित्रुविद्यां रिव्युविद्यां
* विम्मी जन भारत कि ? -> प्रमी धनत् विम्मी जन विम्मी धनन
कित्रमीडवन द्वामान गर्गकि र समान दल (अप्रमान दल)
                                                                                                                                                       সন্সান ভিনিস্ত অসমানহাৰ >
  Am: पुरीर प्रमयने थाका श्व त्र व पूर्व सम्मयति सामाला त्रकरिको पादिकान यान लाई
             विम्मीडियन इस्य यात्।
 Note अमुद्रीर नमारे वर्णन नमारि Change मनान्य नियमीज्या । 3228) 3628

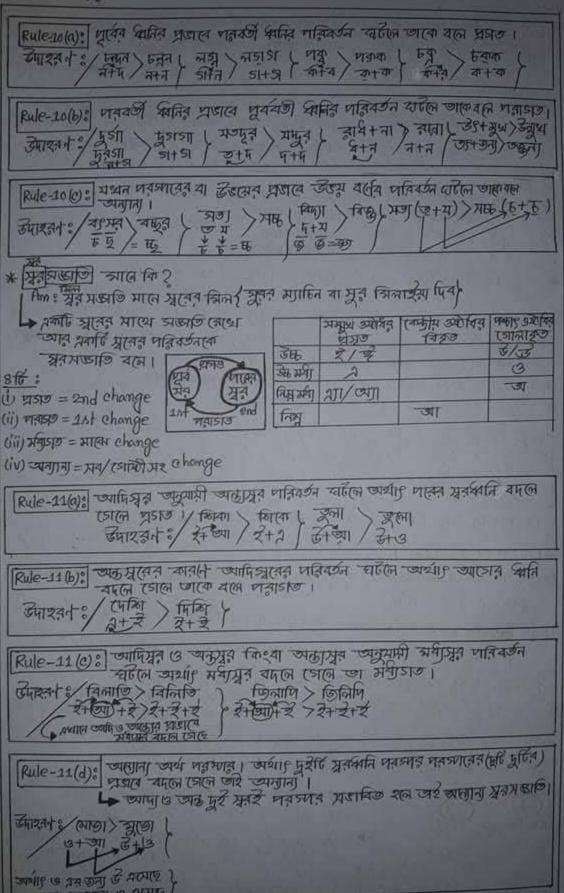
    अन्तरे अं पुरेवात श्लार्र किछा ना कल ब्रुक्स निख अहि विधमीकवन । अठने8>>879

     Rule-9: पूर्ण प्रस्वित प्रकालित पातिवर्जनाया विस्वसीख्यन वहा ।
          उपार्वन : / कासीव > काबीक र नाम > नाम > नाम > जातायाव > 
                                                                                                                                                                                      নাঙ্গান (মুক্তান
                                                                     भेजम र माना र नामा र
  * अधीडयन मात वि ?
    Am: अमीख्यत मात् अधुत्रम्गानि वा गुक्तिमार्मा ।
                                                                          → प्रावंत प्रजात पास्त्रमा change व्यथाह प्रावंतमान अव
                   25 to (PTS) Change
                                                                                    णात्त्व वर्न दास (जाला । (2nd change राज)
                                                                           → मात्रवित् प्राप्तात् प्रार्ववित change आर्थान मात्रवित्व
                                                                                क्र प्रतित वर्त रही (जाहा। (10) change राय)
    देख देखान प्रचान Change
                                                                           → उद्य की change रूस (डाला।

    श्रामण = २ त्वामा वर्ग ३ ववामा श्राव।
    श्रामण = २ त्वामा वर्ग ३ ववामा श्राव।
    श्रामण = २ त्वामा वर्ग ३ ववामा श्राव।

        षद्राधा = भविष (या ।
```

व्या भन जना ७ भगत



\* अणिनिक्षि मात कि ? Ams दे/छे/७ अरे स्मिटि माह पात निश्चिया उपाध्विक जाए कि जान या छारे वर्शन ज्याहा দ্ৰে আমার বা বমার নামই অলিফিনিটি। → J (म-फ्रला थान्तल श्रुप्त चे श्राव) [ याग्र > वारेग्र ; मश्र > मरेग्र ] → भ-फना (J) আছে तयः अन प्रतिवर्श के प्याप्तिये कुसाय व्यपिटिनिय [कागा) वर्षना] \* अख्यिक ता रहा यहगुरे आर्गित्रिण। कात (f, a) वा य-कमात्र) ज्यार অপিনিহিতি মানে পানের ই/উ Rule-12: हल व्याप्रा। किट्या युक्क अक्टर्सिन व्याहा (मून्यानिन व्याहामन) दे / हे वस्टरल व्याहा আজ+ই আ+ইনজ उपायतन % **जिल्ल न हारिल = अर्गा सुवाजान** कालने युक्त निर्मात \* ज्यक्तिश्रुणि मास कि? Am: আরু স্থেকে চলিত করে দিলেই অভিমুক্তি হুমে মাম। করিয়া করে। করি Rule-138 विरायक्क मुर्सक्वन पूर्वकर्ती मुर्सकिति मात्य मिल एगल १४९ अनू भारत णतेवर्जी प्रुवधानिय पानिवर्णन चरिल जाक वर्ज जाडिमुन्छ । क्रीयुर्ग : / श्रुनिमा > ख्रुति । आपूरा > (माप्टा ) आपूरा > (माप्टा ) आपूरा > (माप्टा ) वाला ) वाला | र-कात लाए (रे)/त-नगत लाए (र्रे) → र/र-कात (लाम जात / → त्र / त्र-कात (लाम भारत वर प्यातक समय महाविष्ठ न्याक्रम गिन्न रात्। उपायलन है আল্লাহ > আল্লা कार्य निवास राहक राहक आइ > आ वस्ताम / महाम / वस्तुष्ठ / काल 时色 > 51.4 000 > UB नामिका एयन : (६(१), त्रिन, न, अ Rule-15: उक्काइरित मुर्वितात जाम अञ्चलाता नाम पिता हेन्तु (७) निस् पिन १४९ हन्त्र निस् िया अवध्वतिव छेगाल चेमात्। जास्तर : / अल > केल } क्तु > का } मां > मां > श्रम > राष्ट्र क = क् + ए + व्य Note ক= ক+ অ → नगृत हम उ।।।।। भूता च्यू हम हमरे वगृत ठावमार ७ = ए + ७ (यु काकित) সেই ব্যাপ্তধের দারে উচ্চারিত হয়। स्यमनः जावाज्ञ 邓 本 = 初 + 四 → उद्यादालं अग्रम भ-काद श्रेत पात राव।

# াই ও সার বিধান ঃ

→ ण्डाच्या अलात वानात नं भन जीवन कुवराह्मन निम्झाल नेष्ट्र विवान वाल । → ण्डाच्या अलात वानात म-भन जीवन कुवराह्मन निम्झाल भर्न विवान वाल ।

# 🖷 नेष्ट्र ७ सङ्घ विवास्त्र निमन्न :

	The second of the second
तंत्र विधान	সন্ত্ৰ বিধান
<ul> <li>अप, न, म &gt; न</li> <li>उपास्तन: अपन, छन, वर्न, वर्नम, नगद्गन,</li> <li>अपन, नगल्यन, छायन, उपह, जीयन</li> </ul>	<ul> <li>आ, त &gt; य</li> <li>आवत्रानः भाष्ठि, कृषकः, कृष्ठा, वृष्टिः,</li> <li>पृष्ठिः, सृष्ठिः, वर्षाः, वर्षः</li> </ul>
® रे, के, छ, ए> १ उपास्तर : चारी, तारीन, कार्फ, कारी	@ रे, ४> म उत्तरका: कर्ष, नाम, नर्ष, जार्ष, अमे
निर्माण     ज्यान निर्मण     ज्यान निर्मण	उन्नि नगरानु / हि- काझानु     उपार्यं । प्रार्थि । प्रार्थ
® नाणकञ्जाला भावत ज्यावनाज्ये ते- इस । डिनाश्कृत: बातिका, त्रावत, ज्ञात, नालाति, वाती, पत्त, बित्तन, ज्ञातना, नीता,	अ व्याप्य म्राला म्राडावण्ये     स- १२ ।     उत्पाद्य के न्यानुम, डामा, ज्यामा, लाम,     णामानं, डामा, खामा, लामनं, लीम,     णामतं, उत्मा     लामनं, उत्मा

\* সুভাৰতই 'দ্ৰ'ৰ্ড গ্লান ক্ৰোটি \* जुडावर्स्ट ५ वस प्रस्त कसमिन (इसमान) ्डामा स्राया सरे उपामाए मतु विनेका आक्रिय अर्थ व्यक्तिका लवन अर्थ कवि जामारे खे गामक ख्यू बीना कलाने कनिका। कमाम कामाम काम कमी कनाम लाकि समि म्याप अर प्रां करी व्यादाम वामा मृमिक व्यर्क क्रभी प्यून विमान जानिया। लोम प्रमा ममा जमा प्यामन लावना वानी निपूर्न एनिंग पानि य- प्र विधिय करमना पात्रा खीर व्याप खात पत आरं। हिक्के निक्कित पूर्व निकालि विकि पूर्व अजिप डानेना लिनाक प्रना वाने । •

ক্তিকর ঃ

(i) किप्रिक्ष आत्यतः वाताति ते / भू वस्त्र ता। जिप्पिक आत्यतः वाताति ते / भू वस्त्र ता। जिप्पिक क्रिक्त कर्तातः कर्तातः कर्तातः कर्तातः क्रिक्त मान्यतः व्यक्ति क्रिक्त कर्तातः कर्तातः क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त

(ii) क वर्जीय वर्तित आएथ '+' वहाता ; त वहा । कर्य में उपारत्न : व्यक्त, कम्मन, प्रका, पक्त, भागा

(iii) प्रश्कृष काष्ट्र प्रशाप प्रशाप प्रशाप प्रशाप प्रशाप प्रशाप काष्ट्र प्रशाप प्रशा

शुक्रार्थ ज्या कानिका

218 f	वैद्यान
अप्र (आ)	नन्धे (म)
অ,আ, †	73
7 199	f
पुरुक्तीन्×	দারিকীর×
CASTANTS V	ि शांत्रिकात् √
* তিরফারX	→ তির্মার ∨
* नग्रम्कातः X-	→ नग्रकात V
* <b></b>	a month of Alian A
* আবিষ্ণার X	a segment of
* 17 * THE X	diam's
क्री = स्म	A TIT
	2

	26
SHORT TEC	CHNIC
<ul><li>⑤ ¾/ネ/耳 + ↑/扫 Ght → But →</li></ul>	প্রামি, বরুণ, বজুণ, চরুণ. তিয়াস — পরুন।
② ₹/ 3 + Dinect 3π251:	भारत्यकाद , ज्यायह्यकादा भ भारत्यकाद ज्यावियकादा
© र + य/ + डेम्इन + इव र ४ ४ ४	गरिक, रोड़ा, करो, कर्य, ७२०, नर्य, पूर्व
® + न उपार्भः एक, व	म्या, यामज्ञवान, व्यक्तकान, यक्तन वर्धान
© ञुध्यक्त श्रुवाक्ट्रे १/म।	
बिएिका काट्पड़ वामात 'नं / म' दस्मा।	उपारस्त : जिन्नान, एर जिनाम, दर्न, कर्तन श्रीन, ऋजान, कर्तन
<ul> <li>अंड — । आड मुक्त भाषा आड ज्यातिकां</li> </ul>	क्र थानल। उपारवर्ग 🕩 एमिमाट, धूमिमाट
रूप प्रमा मुख्यकर रूप निम्मी मुख्यकर	ी किंद्र अविक्रा, मानामेल, हीन (हीना)
(म्बा, जाया, अण्डित नात्म कात्र इस 'दे' जायानी, देखनुपानी जा-७ (कात्र हि,	वार्जिन व्यक्तिम वार्मित वार्मिति वार्मित्व विष्ठि वार्मित्व वार्म
जानी, स्वत्रामा ज-७ (१) ताह, जिल्लाह, जिल्लाह, जिल्लाहार के काह निर्माण जानि जार कुल्लाह की वाहक हैं। काह मानि। जार कुल्लाह की वाहक कि काह्म भार की वाहक कि काह्म के का काह्म के का काह्म के का काह्म के का काह्म के काह्म के काह्म के काह्म	→ फ्री, ज्ञानी, ज्ञतनी  → जिलान, फर्लिम्प्रीर्ट, क्रेंबिंड, र्ज्यंबिंग्राप्त  → ज्यानानुन , ज्यामपाति , वर्गनीन , नामुन  → ज्यानानुन (क्रिका), नार्यानम्, नार्य
अक्टाप्टर की ने कार देश हो बला।	प्राप्ताः / ज्यानाकः / अप्रेरः असम्बर्गः / ज्यानाकः / अस्तिः प्राप्तानः / ज्यानाकः / अस्तिः

Note: ज्याप कार्य हिनाब डिमारा : हम बाल्य (नं, मं, चूं-काल वा युक्त व्यक्तत्) माअसा

क्राह्म । ज्यान ज्ञानित्त । ज्ञान क्रान् । क्राह्म : द्वर्स, ज्यान, ज्ञान मक्ष्म, यक्षा

\* नाट्ना (फ्नी), कुव ७ विक्रिक काल्यत गनात सूर्यना वर्ग (म) लिखान हास्पक्षत इसना। \* अम्राज्ञ वर्षि काल्य समानक ने क विवान धारिना। (मित्रमत, पूर्ताम, पूर्तीक)

\* 😇 वजीस बर्लन प्राष्ट्रा युद्ध न कथाता ने दस ना उन 🔫 ।

	26
SHORT TEC	CHNIC
<ul><li>⑤ ¾/ネ/耳 + ↑/扫 Ght → But →</li></ul>	প্রামি, বরুণ, বজুণ, চরুণ. তিয়াস — পরুন।
② ₹/ 3 + Dinect 3π251:	भारत्यकाद , ज्यायह्यकादा भ भारत्यकाद ज्यावियकादा
© र + य/ + डेम्इन + इव र ४ ४ ४	गरिक, रोड़ा, करो, कर्य, ७२०, नर्य, पूर्व
® + न उपार्भः एक, व	म्या, यामज्ञवान, व्यक्तकान, यक्तन वर्धान
© ञुध्यक्त श्रुवाक्ट्रे १/म।	
बिएिका काट्पड़ वामात 'नं / म' दस्मा।	उपारस्त : जिन्नान, एर जिनाम, दर्न, कर्तन श्रीन, ऋजान, कर्तन
<ul> <li>अंड — । आड मुक्त भाषा आड ज्यातिकां</li> </ul>	क्र थानल। उपारवर्ग 🕩 एमिमाट, धूमिमाट
रूप प्रमा मुख्यकर रूप निम्मी मुख्यकर	ी किंद्र अविक्रा, मानामेल, हीन (हीना)
(म्बा, जाया, अण्डित नात्म कात्र इस 'दे' जायानी, देखनुपानी जा-७ (कात्र हि,	वार्जिन व्यक्तिम वार्मित वार्मिति वार्मित्व विष्ठि वार्मित्व वार्म
जानी, स्वत्रामा ज-७ (१) ताह, जिल्लाह, जिल्लाह, जिल्लाहार के काह निर्माण जानि जार कुल्लाह की वाहक हैं। काह मानि। जार कुल्लाह की वाहक कि काह्म भार की वाहक कि काह्म के का काह्म के का काह्म के का काह्म के का काह्म के काह्म के काह्म के काह्म	→ फ्री, ज्ञानी, ज्ञतनी  → जिलान, फर्लिम्प्रीर्ट, क्रेंबिंड, र्ज्यंबिंग्राप्त  → ज्यानानुन , ज्यामपाति , वर्गनीन , नामुन  → ज्यानानुन (क्रिका), नार्यानम्, नार्य
अक्टाप्टर की ने कार देश हो बला।	प्राप्ताः / ज्यानाकः / अप्रेरः असम्बर्गः / ज्यानाकः / अस्तिः प्राप्तानः / ज्यानाकः / अस्तिः

Note: ज्याप कार्य हिनाब डिमारा : हम बाल्य (नं, मं, चूं-काल वा युक्त व्यक्तत्) माअसा

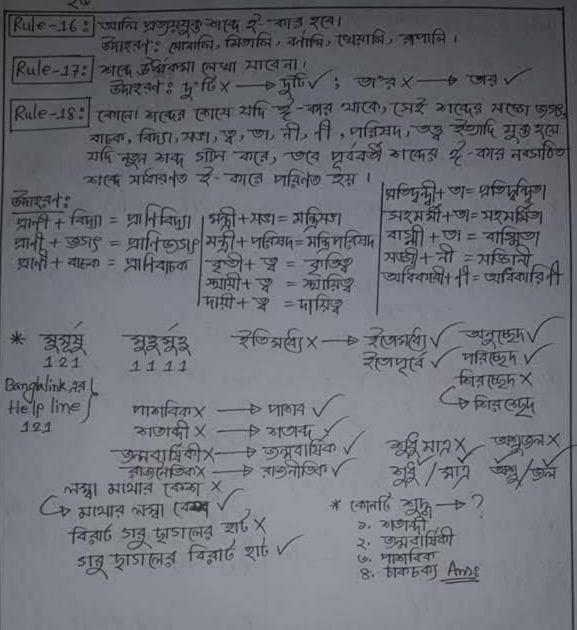
क्राह्म । ज्यान ज्ञानित्त । ज्ञान क्रान् । क्राह्म : द्वर्स, ज्यान, ज्ञान मक्ष्म, यक्षा

\* नाट्ना (फ्नी), कुव ७ विक्रिक काल्यत गनात सूर्यना वर्ग (म) लिखान हास्पक्षत इसना। \* अम्राज्ञ वर्षि काल्य समानक ने क विवान धारिना। (मित्रमत, पूर्ताम, पूर्तीक)

\* 😇 वजीस बर्लन प्राष्ट्रा युद्ध न कथाता ने दस ना उन 🔫 ।

```
ा अधियातने वा वाल्ला वातालव Bullect Rules प्रमूद :
Rule-1: एका, जामा, जान्ति माल इ-नात इस।
                                             ক্রতিকর : স্থান ডল, সমদ্দীদ
जेगर्म : माञ्चित , ज्यार्कितिम । नाश्तापिन । दिनि
         मानिस्रात, व्यक्तिमा वाष्ट्राति मानिस्रानि
                                                        बिन्द्रक
                                                         हीता / प्टाया
 Rule-2 जामी, रेंब्र प्रामी मात्म दे-नाइ एम।
    উদাহরণ ঃ শৈন্সিন | কাটবিভানি, সাখি, হাভি, সুর্চ্যা
বাড়, চাবি, বিভি
Rule-3: कुश्, नाम्ना, निगा, प्य - अत्मित लाए युक्त रल अत्मित लाए युक्
          च्रे-काइ दे-काइ द्राव।
      डेमाइस्त प्रापी । प्रापी । अन्ती
                 व्राभिनिगा व्राभिवाहक अमित्र
Rule-4: विल्ली अला म/न इस मा।
         ब्लारहार : एक्टिबान, च्युं डिंड, (क्रिडिय़ाझ, कर्त्रल, क्र्न, ज्ञिन, ब्रारि
              sh, - sion, - mion, -tion रेशापित क्रमा का
   # Station / s মুর জন্য হা
S= > \ (इकिंग)
 Rule-5: नाःमा स्त्रीयाच्या अदम से-काइ श्व।
        उत्तार्डा : हाहि, जामि, तानि, जामानि, ग्रामि, तानि
  किन् अंकुल की बाह्य काला के काल रहे
         उमारहर की, जानी, जननी, प्रस्थि
Rule-6: तिस्ति मह जिन्नति कि
           उपार्शनः विश्वत
                    বিগ্ৰত্যন
 Rule-7: शास्त्र लाख निमर्भ (:) श्वता।
          उपारतने । स्राप्ति ।
                               অাগতিত
                      स्यामका
             किसम : (आमल, ज्लाम, उम्माम, कर्म क्रापि तुमाए
                     हि: आ: वाः है: प्रिका।)
```

```
Rule-8: पृत्रप द्वानाए पृत वातात उडे (८) काइ द्व। ज्याह वाकि प्रव
                        पूर वामान छ (अ) कार १एव।
    ज्यारत ।: फ्राणाला , पुनचारेना , पुननात्र , पुननीत्र , पुननीत्र , पुननीत्र
Rule-9: प्यपुष , द्वपुष = अरे पुरेटि कुछ नामास दे (१) कात । प्यात
           नामी प्रव पृष्ठ यानान हि (६) कांड पिछा।
     जेगरतने : अरूष्म्वं, पूष्पृवं, पूष्ट अति, द्वार्ष आहा, कि सूष्ट
 Rule- 10: प्रथिती ए या जातीन जात अव ने () कार पिता रखा
     उत्पारहतः यम्बास्त्रात् जीयस्त्रात्
Rule-11: प्रियेबीए या जीवी च्याक अब डीवीए Double दे(9)
              কার হবে।
     च्यारतर : अन्नजीयी, मुक्तिजीयी, मनजीयी
 Rule-12: नाली ) अहे जिनिहेंड आए। पाला नाय मुख्यल हें (f) काड
                    द्राव। ज्यात बाकी प्रव एकदा है (ने) कात रहा।
        उपाइत्र : कानीपान× → कानिपान
                     -कालोकाए V
                      नानी त्रासित √
                                     न्त्र श्रुमि त्रमक छात्व शल च्हे (ने) कान
                                      राव। उत् अक्त आधि (अ) मुङ कर्ल
 Rule-13:
                    + च = रे-गत(f) चि (f) कात रख।
অধিকারী (
पक्ष पार्थ
        उपारतर् : अनी (अमित्र), राजी (राजिय), मामी, मामिय
                                                 त्रका ज्यात्रल रे (न)क्र
            गाउपक
                       +ण = दे(f)कात हात। जल तस्त पहा ज युक
Rule-14:
           সহস্থা
                                         क्ता रे (र) कार रव।
उनकाती ")
            यश्वाम)
प्राणिपुनी
            ঘাঙ্গিযোগী
मतायाजी
            अश्याजी /
         उपाइनिः पाइपर्शे (पावपर्गिण)
            नाति } प्रका थाकल जाति बातान शुर्षि । किंकु जातिन प्राप्त
- व्यक्ति, प्राप्ति । स्वा स्पाप्त श्ला जात्र श्रस्त यात् ।
                                         प्यादातात V
  उपारम : ज्याति V
               षिवाझात्रि×→ पिवाझात्र
```



#### অনুব কাব্য সানে রাধান ক্রেকানা

चार नाष्ट्रक लिल नाधालन वाप-मा आजा जिल त्रिका किल राजम। पाण्ना आमानि पाठा, छिड़ा ध्यस ज्यार प्लीस छाडा, छूळा, आनमा, जाफिम ७ (वाञ्च निस उत्तापाद्धाः जह सिस ब्रिजिन वाढ़िल माम । छाधान (वानिधन विसन पत प्लाइन औ निस राह्म किल खास ।

अस् अफ्रिक्यन					
-व्यञ्जाम	<b>अधि</b>	- ज्याम	न्युक्ष	- व्यञ्जाभ	到海
অভিগ্ৰী	-আভিছি	<u>मान्निया</u>	महाप्रण/ माहिए।	国新石	到哪十
অন্থ্যাঞ্জ	অভ্যন্ত	<u>पुड़ावभ्रा।</u>	<b>पुत्रव</b> म्ह्या	অন্ত্রপ্রাস	नार्थ्यात
व्यक्षामृत	व्यश्चायत	<u>पूर्विभट्</u>	वृदिस2	पूर्वन	द्भवत
অধ্যাবসায়	व्यंश्वयाम्	व्रमनीस	ू <sub>पृथ</sub> नीम	इयनपूर जाता	ज्ञवनप्रकाता
অগরাহ্ন	অপরাত্র	(पेनाण)	र्पना / फीनण	ভৌভানিক	खाङ्गानिक
অ্যায়ামি	অহোরাস	দুন্ধ	দুন্দ্ৰ	- বুজাগ্ৰ	वार्य
<u>आहेमजीवि</u>	ज्यादेनकीयी		निकृ1	श्रम कर्म	जानः कम
च्याकार्था	<u>ज्याकाउन्हरू</u> ।	व्रथन	नुपुत	মনমোহন	याता(मार्न
च्याङाह्मति	व्याष्ट्राह्मती	<b>ब्रुना</b> ण्य	मृतिष्य	श्चनधाडा	<b>अतात्मा</b> श
-व्यापाउ	व्यामान	নির্ব	मीक़्व	<b>मिर्मि</b>	मतीयी
অমার	অায়াঢ়	পরজীবি	পরস্থীবী	मश्री ही का	अज़ीहिया
<u>कार्बेश्व</u>	অমাস্থাস্থা	प्राप्तित	पानिन	अनमुख	মন ঃ সূত
रेजिय(धा	र्शाम(ध)	पश्चिक्षात	<u>जिस्मा</u> द	मलाष्ट्र	अनः धुक
रिञ्जिपूर्व	रिकः पूर्व	সাত ঃ রাধ্য	য়াতথ্যজা	সুখন্ত	যুগ্ৰহ্ম
र्रिफ्रा	-52-90T	णिणिलिका	णिषीनिका	त्रूमर्भू	बुष्पर्ब
उति	ভাত	प्रवस्ताव	प्रवस्थान	ब्रहरू	33
ভাদ্রাস	उक्काम	夏也	对	সন্ত্রীমজ	अद्भिम् ।
देखाडा	GH2IN	<u>लाम्ब्रमाम्बा</u> ह	লাস্ট মার্মার	সন্ত্রীস্থ	मिनुन्न
चेंड्राल	<b>उक्क</b> न	रेगितिया	लिश्वा	जाभासन	ज्ञामाम 🛧
উপরোক্ত	उम्मुक	<i>प्रामस</i> न	贝识可	নজ্যাক্ষর	নজাকর
<i>ক্লিকা</i> তান	<i>व्याजा</i> त	প্রতিযোগীতা	প্রতিযোগিতা	अस्	<b>৯</b> 1ম্য
বানংবিত	কনান্ত্ৰিত	গ্নভিদ্বন্ধীতা	দ্ৰন্দ্ৰিত।	अ।सिमा	<u> प्राकृता</u>
नार्म्यालय	कार्यात्मम	প্রাধীক্তথ্য	व्यानिकार	<u>आद्विद्वीक</u>	<u>काझी</u> दिक
मुक्रीरिका।	क्रशिका	प्रा-मिविष्ण	प्राभिविष्णा	শীগার	<u>খ্</u> রিকার
হুতি	कुछि	(प्राक्टलन	<u>দ্যোক্ত্রন/গ্রন্থ</u> লব	निवास्त्रप	ক্রির(২০ুদ
কৃতিবাস	मुन्डियाप	क्रिक्रीं	कलाञ्चार	गुग्रम।	शुश्रुमा
শৌষ্ট্রখন	[क्लीशृह्यता	বহিস্কার	वश्चिमाञ्ज	শ্রমজীবি	ক্রমজীবী
ক্ষতিগুদ্দা	35ि जार	यान्मिनी	बाब्मीकि	<u>अप्ताक्त्रजी</u>	ग्रामाश्चरति
्रीयां कुली	গীত্যক্তনি	বিদুষি	विषुषी	अन्याप्री	সন্যামী
त्रामीन	श्रामी	बिलिमिया	বিজীমিকা	সমিচীন	সমীচীন
য়েছগোগা-	<b>जिल्ला</b>	ব্রন্ধিত্তীবি	व्रक्षिकीयी	प्रगामी	यत्राभी
9519	ভাগত	रेवसानम्स्र निक	विम्नाबात्र 🕇	<b>मिसिशा</b> त	प्रतिदशन
<u>डार्म्</u> यत	তালীবন	ব্যার্থা	गुर्भ	प्रमाप	সংখ্যাদ
ভোৱন	(शहर)	ব্যাভিত	ব্যুপ্তিত	प्रस्थक्षित।	সংवर्धना
দুষিত	मुमिल	न्यास	न्यु स	সম্বলিভ	মংৰনিত

26					. 2
- जम्मुम	BUM .	一型相	अपूर्व	- অপ্রাধ	শূর্দ
মহ্মোগীলু	अश्र्यात्रिण]	সহাত্ম	মাহাজা <u></u>	प्रीक्षाया	(मोहान्त्रा)
স্থারিস	ञ्जूमातिका	মহত্ব	ক্মহত্ত্ব	ৰাহুন্যুতা	वारुला
<u> ज</u> ुडीणत्र	ऋ हिपूत्र	হাস্থা	সভা		
त्रुके/त्रुम	敦	डेर कर्मण।	रिह्न वर्ष		100000
স্থামাগৃহ	গৃহস্থান্নী	<i>स्थित</i> न्थ।	্রোন -		
(म्हीत	ভেগান্ত	দৈন্যুখা	(पन)		
(मिडियान	(त्रर्गिष्मान्स	- প্রমাত্র	স্থ্য		
স্থেহাগীদ	(মুখাশিম	कार्यभीका	गामग्र/ऋषनेज		100
शुक्रीक	সস্ত্ৰীশ	দুরুরিত	प्रहारिक		
মূরমূপী	সরসূতী	划板郊外	निर्विश्कर्भ		
<b>ा</b> ङह <i>र</i> काह्र	সমার্	प्रश्मात्र प्राप्ट	विकार्य विकार		
-व्यश्रदाग्रन	व्यव्ययम्	ताकुा स्कृत	নজ্যাব্যব		
অধ্যাবসায়	অধ্যবসায়	अप्रात्मिका	গভানিকা		
<b>ब्लोड्ड</b> यून	<i>क्लिपृ</i> श्ल	स्नी जीन	उनीनि ।		
विद्युप	বিদ্যাণ	<del>प्रश</del> िष्ठ	प्रजिही		
সাভাম	প্রাজ্ঞান	স্মীশভিধী	স্কীণজীবী		
সায়র্থ	সারার্য্য	নিহারিকা	নীহারিকা		
বিদ্যান	বিদ্যান	उक्कमा	अकुना		
प्रथमार्थ	न्याद इमार्का	<u> यात्रात्रिक</u>	यानीप्रिक		
अपूर्यन	त्र द्वे स्पत	<u> প্রারিরী</u>	শ্বীবী		
বিশ্বিক	-बृश्चिता	-अ्युग्रात	ক্সিয়সাণ		
93.A	श्रव लि	कियी।	लाम		
<b>科</b>	কৃপুন	च्यान्यात्रिया	<i>उपन्गामि</i> क		
		र्पानिश्यान	र्यमानीर		
ऋधी	ज्युं निया	र्रेपात्रीमा	उपाभीना		
-श्रुणतथा	<b>अ्पृत्या</b>		<b>अमु</b> वण्य		
<b>अ</b> त्हाद	मन(भार	मसुय ~	च्यर्यास्त्री		N/SS
ভাগীরথি	जाशीस्थी	ज्यर्भाष्डामी		10	
<b>ा</b> विकास	অাবিদ্ধার	-রজুকিমী	ব্যস্কা		
<b>च्युश्वा</b> न	1000年10日	(णोनश्च	लोविरिण		
নিরপরাধী	निसंप्रस्थि	तिवीध	নিরিখা		
<u>ज्यतात्रिती</u>	অনাথা	<b>पु</b> र्थ	मुर्थ		
ञ्चावाक्रांती	ভূকেগা	গরুর	अदूष		
निर्पायी	निर्पाय	নিশীত	तिमीथ		
- अशीनऋ	<b>ाळाशी</b> त	यक्षा	यश्चा		
(प्रीयम्)ण।	(श्रीत्पर्य	गुक्रमा	अ्रामा		
সভাভা	হ্যাঠুতা	স্থাতা	मधा/मधान्न		

```
पक्ष अभि : अभि काल्पुत व्यर्थ जिलत। मननगड़ अविदिक पूरि अविद वा वर्शन सिनाताल
           जाति यल।
प्त नासिन केएएमा : (i) नासिन केएपमा स्नापायिक केसान्। मरण प्रवर्गण वर्ष
                   (ii) Sarasio कार्युर्म अन्यापन कारा ।
पा अभित्र प्रमाद्रायम् :
  → याल्बा गुप्तक्त च्यतुमात्व मिर्कि पुरे प्रकृत । मथाः
                                          (ii) जुक्कमप्रि
(11) या क्रमञ्जित
                                                           বিভাগ্যমনি
   अर्थार अर्थि (ब्राह जिन प्रकात । यथाः
                         (i) अुक्मन्दि
                         (ii) याक्रममस्ति (3
                          (iii) विश्वशंग्रिकी
   Note: > अर्थि - द्वानि वा वर्गका युक्त कात (अवाक पूक्त कात्रता)।
         🏲 সামি তাক্রপ্রে প্রকোদার।
                           - जुन मिर्नि
* अत्+अत स्वति :
           व्य/व्या + व्य/व्या = व्या-काव श्व। (1)
 Rule-1:
           जिल + अत् = मलात् १ (विजा + आलम् = विजालम्
उपारतन :
            लामका =1-काव
                             िष्या+च्या = १- याव
          व्य/व्या + क्रे/के = भ्र-कातं क्राव । (६)
           (त्रश + हेश = मार्शि: शिंड + हेम्हा = शुए हिंहा )
             जा+इ = द-काव
 Rule-3: 3/21+3/3 = 9- 279 2741 (51)
 उपार्वनः / र्मय + उद्गा = नलाण
             四十正 = 四部(61)
 Rule-4: य/ या + क्म = यत् (1) श्व।
 उपाद्वन : / र्काव + श्रामि = (प्वमि
 Rule-5: ज/जा + २/२ = २-वान १त। (२)
उमार्न: / ज्या + २ = रेजप्त
जा + २ = रेज्यन (१२कान)
 Rule-6: 3/2+ ++ == 7-(9) -119 2191
```

/মুস + কুল = মতান

= 3-414 (9)

उपारतनः/

```
-7: डि/डि+डि/डि=सि(a) काम एव।
उपारक्तरः/रिकेस्टिक्किक्कि(a) ;}
 Rule -7:
                क्र + व्यम्भूत = य- कला (उ) + व्यम्भूत ।
 Rule-8:
                  रित + छार्थ = गुर्थ ; }
चि + छार्थ = गुर्धना
  উদাহরণ
             उ/उ + ज्याश्रुव = य-फमा + ज्याश्रुव ।
            रिन्न + जन्म = युन्म } ; विष्ठ + स्मान = व्यात्म रे
 Rule-9:
 उपार्शि :
            भ्रा + ज्यनाञ्चर = द्व- फना + ज्यनाञ्चर
 Rule-10:
            रिष्ट्र + जात्म = पित्रातम ] ; रिष्ट्र + च्याएल = पित्राएका }
 उपारसर
              Rule-11: २+ अनुप्रुव = अम
रिज + अने = नमन )
  उपार्वन :
 Rule -12: 2+ व्यमु प्रव = व्याप
           रित + व्यक = नामकी
 उपायुन :/
 Rule-13 ७+ अनाप्रव = व्यव
            (ला + अप = लय+)
  देपार्वन ह
Rule-14 | ३+ अना श्रेत = जाव
  उपारवरः/रिका + डिक = खातुको
                              याक्षित उपि
* राष्ट्रन + यास्त्रन भानि :
            四月十七/五二年/五
                 िछ + छिम = देखल ; प्रश्निक्क = प्रक्रिका ; विमान + छम = विभक्तम र
                                     € E
 उपारतनः
            ए/प + छ/या = छ/अ
 Rule-2:
  जिमश्तर : (अहम कान = प्रक्रात ; कुष्म कारिका = कुक्रािका ?
  Rule-3: 0/4 + 5/6 = 55/00
```

अर्थः + क्रिय = अर्थः एक्स

हम स्वान विद्यं यिद्धा विद्यं लाग पास्त्र ए सत् वाधाव हैपास र्मे के मायक द्वाला वस्त्र असि वाला विश्व मालाह प्रवश्या मुश्य मार्थ प्रश्निम लाया उपार अस्त्र में का द्वाभि निश्वाम र्क्सात पूर्वर चुन (थल छाडा छीलन । व्यवश्य मह मार मार मार महिन ও बिद्गुः जीज़ार जुनः पञ्तन नात्। जनः नार्म (वर्षः याञ्यास अधः पञ्तन व्यास्तर निःशास चित्रामे एए विश्वासी विश्वासी कर्ताना

स्य व्यक्ति प्रमान पुरे प्रमान। यथाः (i) व्यस् मासि (11) व्यक्तिमान पत अनुः याति : व्यवशीन पुरीरि व्यतिन विकास एम असि या जारे व्यतः असि । ि प्रति अभाग क्षिते मुख दल किनु मुख द्वान पूर्व कात्रक वार्य व्यवस्था किनु मुख दक्षात मृत व्यथं प्रात्रश क्त्रीव। उत्तादनाः ति + प्याका = नामक अर्थ तारे अर्थ नार्ष पा विश्वमि : वार्थमुक पुरेषि वितित किमत स मिति एम वार्र विश्वमि । उपारको : विमा + ज्यानम् = विमानम् ज्यक्ष्याक ज्यानिकारि मि निगालत जिक् मस्मि : हम मस्मि द्याता निस्म जात/ जातुज्ञत् न गता ना ज्यात निगालत त्रिक् असि वल। → तिमाञ्च जिम्न जिले छित झ्रकाइ । प्रथाः (i) নিদাঙ্গন প্রিদ্ধ স্ক্রাসরি (ii) तिमान्त जिन्नु युद्धनमि (॥) निमान्त जिल्ल विडार्डा मर्नि নিগাতনে সিদ্ধি সূর্মনির্ম क्रम+ व्यति = क्रुमिति (क्रुमिन्स) → अमाना = अमा + अमा → शलमु = दशा + रेम → ¤+ छ = छोर (स्त्राप्त्रम्) → शातम्ब्रुत = (जा + न्युत → TSII+ उपक्ष = अवक्ष (अवाक तेम) > खहातिन = अळ+ द्रिनि → সার্ভ+তদ্ভ= সার্ভনু → तालामा = तता + एमा → यीमानु = प्रीयन + छाछ/मीम+ छातु (भीमा ऋ(थ)) > अहा + छप्त = आहापत → 3+ 3A = (88) → आयळा = आयम च्याका → म्र+ इतिनी = देविनी ♦ প্রাদ্ধোধন=প্রদ্ধ+ প্রদান → p+22+ = cps+ ♦ श्राफि = दुना + 'छिन्नु → লো+ অস্ত = SPANS → সीमक = श्रीम + व्यक्त (त्रीधि छाई) → विश्व + ७मे = विख्यामे ञ्रात जाधात विकाल → कुलां विक्रित नातीता व्योष् , त्रीमातु ७ ज्यनाना एत आव्य नित्र मार्जन त्रिसमा दलत शवाकः वस जातक प्रव नारिक जातन्त्र न पाधाए। एजरे यूप्पाण खुप्पामन : रेप्रड - रेप्रांतनी ७ व्याली रिनी बाहिती माध्य निस्स विद्यामि ଓ बाजामे ऋत आवाहा वालाकवालाक द्यान स्वातना व अस्त्रारिता प्रातम वाता। निषाएत आहु विडाडी अर्ति वाहः+ शिं = वाहम्पि → सनः + कार्य = सनः वार्यः ♦ অহঃ+নিমা = অহর্নির → প্রাতঃ + কান = প্রাতঃ কান 🕨 छ। : + यह = छात्रात 🗕 मिहाः + भीता = मितः भीछा जार १ + जार = जार नर

সনে রাখার উপায়

→ वाक्रमिक वायु व्याद्यिका वायुत्र कितः भीषाम प्राप्ता । वाये प्राणः गाल कतः वार्यः व्याद्यामः ভাক্ষর ভিন্ন করেন।

### तिगावत त्रिक्त नाक्षित त्रासि

- → वत+णि = वतमाि
- → दुश्ह+ पाछ = दुश्मार → प्रकाह+ खाय = प्रकाश
- क्राक्त = निम्क्त
- → मा + मन = [भाइका
- → তা+বার= ত্যার → प्रव+ प्रत = प्रवश्यत
- → किंगु + त्रित्र = किंग्रामित्र
- → अन्य + ऋमा > मनीया वान + यृथ्वती = वाङागृती
- → খ্রার+চন্দ্র = খ্রিজচন্দ্র

→ प्रश्ना९+ छार्च = प्रश्नार्थ

- → TSII+ 71 = SIA]
- → (तो + य = ताव)
- → मिन+लिन = प्रालीक → चिन्र म व्य = दिश्य

- ▼ (डा। + भाम = (डा। डमाम,
- में आमपा = व्यापम
- ◆ PH+163 = NH4863
- → पणु॰+ व्यक्ति = मण्किन
- पिव+ लाक = पुर्ालाक

+ 邓州 李何 = 邓季何

#### यात याधाव ক্রোতাল

वनमणि वरमणि पुरे जारे। जास्त वम् यथाक्रम मुनामम ७ माजून। जाता प्रतमात क्यान ७ किश्वासित । कादा त्रकापत प्रकारिं / प्रकार्थ वार्धवी अनीमात्म वल क्यान वार् বাসেম্বা প্রনাকার ছবিশ্বচন্দ্র বাঙি খেকে প্রব্য ও নাব্য নামের হিংসু সোস্পদ্ দুটি रूदि कद्वाव । का श्राप्त प्रा व्याक्त्य रास वजन कि व्याक्राम ! एन मास्किह्य न्यात व्यालाई प्रक्रकृतित भाष्य प्राह्मात प्रावस वम्सवि।

_				_		200	_
*	বিশ্বেষ	निम्प्स	মাধিত	4	[48917	何	8

- ► দরিশক্ত = দরিশ্বত
- → ヨカナダッニ 又多の > प्रति+ जोत = प्रतिमात → प्रश्न+ जोत = म्हण्यात्
- → के+ माम = @2011न | → जे5+ माम्म = @2011नन

#### न्मत न्हाधाद त्नीकान

→ अध्यात अध्यक्त ज्यान व्यान मध्यक्ति दिव्यान तिगाल मध्यान व्यार्थन व्याप्याप्य व्यार्थन व्याप्य व्यार्थन व्याप्य व्यार्थन व्यार्थन व्याय्याय्यम व्याप्य व्यार्थन व्यार्थ इंज्यापन जाना इत्सक ।

> -किएम डाराइयाने मितिय वि(क्षाप्रभाग

	7777 - 174 787	গ্লভারা=মৃত্রি+ এক	নরারম = নর + অধীন
जनाग= जना+ जना	নমূন=(ন+জন		
माप्रक =ित+ण्यक	अपून = ह्या + ज्यान	नमाञ्च =निमे प्यञ्च	रिमानम् = दिम + ज्यानम्
नादिक = (तो + ईया	शासक = (श+ च्यक	त्रण= स् + प्रका	सूर्माम् स=सूर्य + उनस्
বক্ষাতি=বন+দাতি	जर्भ = ला+ ज्यन	গ্রাগেত=সু+আগ্রন্থ	ম্থোডিত=মথা+উচিত
अधिक = अधिक + अधिक	অঞ্চল - অভি+ইত	व्यविक=व्यव+ देक	विधिक्ष= विक्रमानुक्ष
ত্ৰমাত্ = তুকা + গৈত	ज् <sup>र्मका</sup> = जिन् + हैका	जी=जी+के	अल्लार्सि = शङ्गा +प्टेर्सि
সুধার্ক = ক্রুপ্রা+ শ্বাত	प्रजिम् = प्रणि + हेमु	अतिम्।=अर्भःमा	प्तवर्मि = एव + श्वाम
डाकुग=(डो + छा	प्रक्रीम = प्रक्रिम चूना	ब्राध्या=ग्रेड+रेष्टा	अहर्षि = अश + अवि
मन्त्र = (मा+ र्य	र्रेगापि = रेशि+स्थापि	ग्रथमें =ग्रथा + रेक्ट	ज्ञतेक = ज्ञन + प्रक
अध्यमा=(जा+,२२४म	অখ্যন্ত = জভি† অনু	प्तस्मा = प्रस्म + ज्रेश	मर्प्य = मना + प्रव
श्रवामि = शा+ प्यापि	অফ্লান্ত=আজ+উন্তি	माका=भरा+की	ग्रांथ्या = गर्म भ्रेता
पावन = (भी + व्यव	प्रश्रुम = प्रश्रिम	विमालम् = विमा+व्यक्	मोर्ल्युर्म=मर्ग+ व्रेश्नम
गावन = (मा + अन	मग्राचितः = म्ह्री + प्याचातः	यथार्थ=यथा+व्यर्थ	मिशस = मिना + ख्यतु

. 68			
নিজন্ত=নিচ + অনু	व्यक्षर=व्यद्ध+व्यद्		
मणानन = मी + ज्यानन	বাচস্দ্রভ=বাদ:+প্রভি		
তদবধি = ত্যুণ অবধি	অন্ধর= ভাঃ + কর		
য়বর=মুদ+অন্ত	• सीन्नय= ति <sub>है</sub> + न्त्रय		
व्या + ५३ = भगाउँ	÷तीत्रश= निः+ त्रश	7 A - F -	
कथास्त्र = कथा+पूल	नित्रागात = निः + च्याकार्	0.4	
जिल्ला = जिस्मा	काशीर्वाम = पाशी : + याम	E 1 10 00	2 2 2
यताम्बि = यत + अमि	पूर्णां = मुः + स्यां न		W III (1.125W4)
माद्यामि = मरा+3 मिरि	অমুহাত = আনুঃ + হাত	CONTRACT NAME	
भद्रश्रीयश्च= भव्रम + अमर्थ	व्यक्वभाग =व्यक्तः +धान		
प्रशिष्ध = मश+ अर्थ	त्रिश्चास= द्रिमः + ज्यान		-
डेश्यान = डि॰ + म्यान	प्रमहरू=प्रमः + डेक्	TALL ME IN NO.	MIRM COM EX
प्रदेश्वाद = प्रम † यगत	श्चित्रियात= व्यव + धान		IN OUR RESOUR
スペなの = ハガナ ずの	महाराम = मनः + तम	and the same of	
দরিম্নার=দরি+কার	अत्राच्सं = सन्धः + ज्ल		CARSON CO. Co.
उथायन = डेर + स्वापन	ज्यादन = ज्याहर दन		
व्याक्तर्भ = व्या + कर्म	তভাধিন = তত ঃ+ঋদি		
शिक्तार = (आ + लिए			
वनआणि = यत + गणि			
ब्रज्यां = ब्रज्यां + भारि	1	2 22 2	
ज्यक्रत = छड़ + यात्र			10000
नित्रक्ष्म = क्रिलः +एप			
निम्रेव = निः + प्रेव			
प्रस्ता = पूर्भ थ		1 3 1	
निक्रम = निः +६३२			
भ्रम्मेखात=भ्र <sub>ः</sub> +रेखगरा			
प्रकार = प्रः + जन			138 /
नस्प्राह = नसः + काल			
সদস্যানন = সাদঃ+ খ্যানন		THE RESERVE OF THE PERSON NAMED IN	
निक्रत = निः + क्त			1
पुष्कत्र = मुश्च न यात्र			
সাজ্ঞান = সাজ্ঞান কান	VIII I I HOUSE AND A STATE OF THE STATE OF T	David Comment	THE LINE
स्तर्भ कार्यः = सनः + कार्यः कार्यः भोदा = ब्रावः + श्रीः		Name of the last o	S NE-
प्राथित - प्राथः + तिसा			